तेजयुग न्यूज़ देश
www.tejyug.com
epaper.tejyug.com

दिल्ली की 7 में से 4 सीटों पर चेहरे बदल सकती है भाजपा

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में इस बार भाजपा सात में से चार सीटों पर उम्मीदवार बदल सकती है। इसके लिए प्रदेश की तरफ से केंद्रीय चुनाव समिति को नाम भेजे जा चुके हैं। संभावित नामों से प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। बड़े नामों के साथ संगठन में लंबे समय से काम कर रहे कार्यकर्ताओं को भी संभावितों की सूची में रखा गया है। साथ ही, दो महिला दावेदारों के नाम भी हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बार नई दिल्ली, चांदनी चौक, पूर्वी दिल्ली और उत्तरी पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट का टिकट बदला जा सकता है।

नई दिल्ली सीट के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री रहीं स्वर्गीय सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज का नाम शामिल है। बांसुरी अभी दिल्ली भाजपा में मंत्री भी हैं। यहां से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय का नाम भी संभावितों की सूची में शामिल है। इसके साथ ही, एक हाई प्रोफाइल केंद्रीय मंत्री का नाम भी दिल्ली से चल रहा है। इस पर फैसला आलाकमान को लेना है। इस सीट से केंद्रीय राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी अभी सांसद है।

हर्षवर्धन की सीट पर मंथन = चांदनी चौक लोकसभा सीट के लिए विष्णु मित्तल, प्रवीण खंडेलवाल का नाम संभावितों की सूची में रखा गया है। विष्णु मित्तल प्रदेश में उपाध्यक्ष हैं, जबकि प्रवीण खंडेलवाल व्यापारी नेता हैं और चांदनी चौक क्षेत्र से जुड़े हैं। चांदनी चौक से वर्तमान में डॉ. हर्षवर्धन सांसद हैं। पूर्वी दिल्ली से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, प्रदेश में महामंत्री हर्ष मल्होत्रा का नाम प्रस्तावित किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष स्वयं भी पूर्वी दिल्ली क्षेत्र से आते हैं। इस सीट से अभी क्रिकेटर गौतम गंभीर सांसद हैं। उत्तर-पश्चिमी से योगेंद्र चंदोलिया और दुष्यंत गौतम का नाम भी रखा है। गौतम भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं, जबकि चंदोलिया प्रदेश में महामंत्री हैं। यहां पिछली बार भाजपा ने टिकट बदलकर हंसराज हंस को चुनाव मैदान में उतारा था। पश्चिमी, उत्तर पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली पर दावेदारी मजबूत = पश्चिमी दिल्ली से सांसद प्रवेश वर्मा के साथ आशीष सूद का नाम भी भेजा गया है, जो वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के सहप्रभारी हैं। हालांकि इस सीट पर चेहरा बदले जाने की संभावना बहुत कम है। जाट बहुल इस क्षेत्र में प्रवेश वर्मा की अच्छी पकड़ मानी जाती है। इसी तरह, दक्षिणी दिल्ली सीट पर वर्तमान सांसद रमेश बिधूड़ी और उत्तर-पूर्वी पर मनोज तिवारी को बदलने की संभावना कम है। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर इस बार जल्द उम्मीदवार घोषित होने की संभावना है। भाजपा से जुड़े लोगों का कहना है कि इस बार केंद्रीय नेतृत्व ने बहुत पहले नाम मांगे हैं, जिन पर केंद्रीय चुनावी समिति ने मंथन भी शुरू कर दिया है। इसे देखते हुए यह तय माना जा रहा है कि वर्ष 2014 और वर्ष 2019 की तरह प्रताशियों के नाम घोषित करने में ज्यादा देरी नहीं होगी। पिछले दो लोकसभा चुनावों में नामांकन से कुछ दिन पहले ही प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए थे। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए दिल्ली भाजपा पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुकी है। पार्टी की तरफ से जिला, विधानसभा और लोकसभा वार समीक्षा की जा रही है। नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए पार्टी ने अभियान शुरू किया है। इसी बीच पार्टी ने संकल्प पत्र के लिए लोगों से सुझाव मांगने के लिए अभियान शुरू किया है। पार्टी प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को प्रेसवार्ता में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने औपचारिक तौर पर यह अभियान शुरू किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इससे पहले हमने वर्ष 2014 व 2019 में जनता के सुझाव पर पार्टी का संकल्प पत्र तैयार किया था। हमें खुशी है कि वर्ष 2014 के 530 बिंदुओं में से 529 पर हमने काम किया। वर्ष 2019 के 234 में 222 सुझावों पर हमारी पार्टी और केंद्र सरकार ने काम किया।

संक्षिप्त समाचार

जल्द मिलेगी 5 महीने से अटकी पेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कई महीनों से वृद्धावस्था पेंशन मिलने का इंतजार कर रहे सुपर सीनियर सिटिजन्स के लिए राहत की खबर है। यहां 70 साल या उससे अधिक उम्र वाले हजारों बुजुर्गों को बीते पांच महीने से बुजुर्ग श्रेणी वाली पेंशन नहीं मिल रही है। दिल्ली सरकार के मुताबिक, केंद्र सरकार की तरफ से मिलने वाले पैसे का भुगतान नहीं होने के कारण पेंशन लंबित पड़ी है। सरकार ने अब केंद्र सरकार का हिस्सा भी खुद देने का फैसला किया है। फिलहाल फाइल मंजूरी के लिए वित्त विभाग के पास है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 60 साल से अधिक उम्रवालों को सरकार 2500 रुपये हर माह बुजुर्ग पेंशन देती है। 60 से 70 साल के बुजुर्गों को सरकार की तरफ से पूरी पेंशन दी जाती है। वहीं, 70 साल या उससे अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन में केंद्र सरकार की भी हिस्सेदारी होती है। सरकार के मुताबिक, बीते अक्टूबर से केंद्र सरकार ने अपने हिस्से का पैसा दिल्ली सरकार को नहीं दिया है, जिसके चलते पेंशन जारी नहीं की जा रही है। सरकार के मुताबिक, बुजुर्गों को पेंशन मिलने में हो रही देरी के कारण अब सरकार ने खुद ही सारा पैसा अपने हिस्से से देने का फैसला किया है। समाज कल्याण विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव भी बना लिया है। वित्तीय मंजूरी के लिए फाइल वित्त विभाग को भेज दी है। मगर सरकार का आरोप है कि वित्त विभाग लंबे समय से फाइल लेकर बैठी है जिसके कारण 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों का पेंशन जारी नहीं हो पा रही है। दिल्ली विधानसभा बजट सत्र में भी यह मुद्दा उठ चुका है। करोल बाग से विधायक विशेष रवि कहते हैं कि केंद्र सरकार की तरफ से पैसा नहीं मिलने के कारण यह देरी हो रही है।

सीलिंग से सहमे दिल्ली के व्यापारी, प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराने को तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) संपत्तिकर जमा न करने पर संपत्तियों को सील कर रहा है। इसको लेकर व्यापारियों ने लुटियन दिल्ली में संपत्तिकर वसूलने का फॉर्मूला बदलने की मांग की है। कनॉट प्लेस क्षेत्र में अब तक 30 से अधिक संपत्तियों को सील किया जा चुका है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि हम टैक्स देने को तैयार हैं, लेकिन नियमों के तहत लिया जाए। व्यापारी चाहते हैं कि एमसीडी की तर्ज पर एनडीएमसी टैक्स की गणना करे। न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री विक्रम का कहना है कि यह क्षेत्र गृह मंत्रालय के अंदर आता है, जिसको लेकर कोर्ट ने एनडीएमसी को निर्देश दिया था कि वो तय करके बताए कि किस फार्मूले के तहत टैक्स की गणना की जाएगी। अब तक फॉर्मूला तय नहीं किया गया है, क्योंकि जो भी फॉर्मूला तय किया जाएगा उसे संसद में भी पास कराना होगा। अब बिना फॉर्मूला तय किए टैक्स लगाया जा रहा है। हम टैक्स देने को तैयार हैं, लेकिन कई सौ गुना टैक्स लगा दिया जाएगा तो देना मुश्किल होगा। अब तक करीब 30 संपत्तियों को सील 1500 से अधिक को नोटिस मिल चुका है चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने इस मामले पर रविवार को व्यापारियों की बैठक बुलाई है।

महिला ने पूर्व विधायक पर लगाया रेप का आरोप, वायरल पत्र की जांच शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले चार दिनों से एक पत्र सियासी गलियारों में वायरल हो रहा है। यह पत्र सूरजपुर थाना क्षेत्र के गांव सूरजपुर में रहने वाली महिला के नाम से लिखा गया है। कथित महिला ने पत्र में पूर्व विधायक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। वायरल पत्र की प्रति लेकर गुरुवार को पूर्व विधायक कमिश्नरी मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया। अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। जेवर विधानसभा सीट से भाजपा और बसपा के सिंबल पर तीन बार जीत दर्ज करा चुके एक विधायक वर्तमान में गौतमबुद्धनगर से सटी बुलंदशहर लोकसभा सीट पर टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं। वह गुरुवार को कमिश्नरी मुख्यालय में अपर आयुक्त कानून और व्यवस्था शिव हरि मीणा से मिले। वायरल पत्र को अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश करार दिया। इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। विधायक का आरोप है कि पत्र में जिस महिला को पीड़िता बताया गया है, वास्तव में ऐसी कोई महिला नहीं है।

जेएनयू आधी रात को फिर बनी अखाड़ा, एबीवीपी और लेफ्ट गुटों के छात्रों में हिंसक झड़प

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) आधी रात को एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया। जेएनयू में भाषा संस्थान में चुनाव समिति के सदस्यों के चयन को लेकर गुरुवार रात दो छात्र समूहों के बीच हुई हिंसक झड़प में कुछ छात्र घायल हो गए। छात्र गुटों में मारपीट के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि झड़प में घायल कुछ छात्रों को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक कथित वीडियो सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति कुछ छात्रों को छड़ी से पीटता दिखाई दे रहा है वहीं एक अन्य क्लिप में एक व्यक्ति छात्रों पर साइकिल फेंकते दिखाई दे रहा है। वहीं घटना के एक अन्य कथित वीडियो में भी कुछ लोग अन्य लोगों के साथ मार-पीट करते दिखाई दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और वामपंथी समूहों के छात्रों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस घटना पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और न ही घायल छात्रों की संख्या के बारे में कोई जानकारी मिल सकी है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि हमें दोनों तरफ से शिकायत मिली है। हम शिकायतों की जांच कर रहे हैं। पुलिस को तीन लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। बता दें कि, जेएनयू में छात्र गुटों में झड़प का यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते महीने 10 फरवरी को भी जेएनयू कैंप में छात्र संघ चुनाव कराने को लेकर बुलाई एक बैठक के दौरान एबीवीपी और लेफ्ट गुट के बीच झड़प हो गई थी।

मेरे पैसों से कबतक खाओगे...सुनकर तैश में आए छात्र के दोस्त, गला दबाकर मार डाला

नईदिल्ली, एजेंसी।
गजरौला के कारोबारी प्रदीप मित्तल के बेटे यश मित्तल की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। ग्रेटर नोएडा में यश की हत्या उस वक्त हुई जब वो अपने दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। पांच दोस्तों ने मिलकर यश की बेरहमी से हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि गला दबाकर हत्या करने से पहले यश को पीटा गया था। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। हत्याकांड में शामिल एक आरोपी अभी फरार है। यश ग्रेटर नोएडा के बेनेट यूनिवर्सिटी में बीबीए फर्स्ट ईयर का छात्र बताया जा रहा है।

दरअसल, यश मित्तल की दोस्ती गजरौला के ही रहने वाले शुभम चौधरी, रचित नागर, सुशांत वर्मा, शिवम सिंह और सुमित सिंह थी। आशंका है कि पैसे के लिए आरोपियों ने यश को अपना दोस्त बनाया। इनका मकसद उससे पैसे ऐंठना था। ऐसा अक्सर होता भी था कि वह हमेशा यश के पैसे से पार्टी करते थे। पुलिस के मुताबिक घटना के दिन भी आरोपी एक साथ बैठकर पार्टी कर रहे थे। इस बीच यश ने उनसे कहा था कि तुम मेरे पैसों से कब तक पार्टी करोगे। इसी बात को लेकर झगड़ा होने पर हत्या की बात सामने आ रही है। उधर नवंबर 2023 से आरोपियों ने यश से नजदीकी बढ़ाना शुरू किया था। बताया जा रहा कि इसी दौरान आरोपियों ने हत्या की साजिश रची।

यश की हत्या में शामिल आरोपियों की आर्थिक स्थिति ज्यादा मजबूत नहीं है। आशंका है कि इनका मकसद यश के परिवार से मोटी रकम वसूलना था। इसीलिए छह करोड़ की फिरौती का मैसेज किया गया। लेकिन आरोपी अपने मकसद में कामयाब नहीं हुए और कानून के शिकंजे में फंस गए। गजरौला के एएसपी राजीव कुमार सिंह के मुताबिक यश की हत्या गला दबाकर की गई थी। इसके पहले उसकी पिटाई भी की गई थी।

तीन मार्च को ट्रैक्टर से केजीपी एक्सप्रेसवे जाम करेंगे किसान

नईदिल्ली, एजेंसी।
जेवर एयरपोर्ट की ओर जाने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से मोहना में इंटरचेंज की मांग कर रहे किसान तीन मार्च को ट्रैक्टर के माध्यम से केजीपी एक्सप्रेसवे जाम करेंगे। यह घोषणा किसानों ने गुरुवार को की। इससे पहले 19 फरवरी को भी किसानों ने केजीपी एक्सप्रेसवे को जाम किया था और उस मामले में करीब 200 से 225 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। इसमें 8 किसान नेताओं को नामजद किया था। अब सवाल पैदा हो रहा कि किसान जाम को लेकर अडिग रहते हैं या फिर मुकदमा दर्ज के खौफ के चलते अपने जाम के फैसले को वापस लेते हैं।

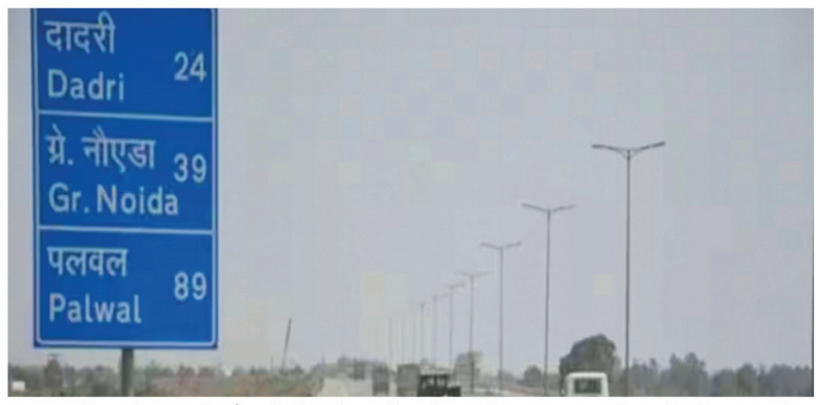

किसानों ने गुरुवार को भी केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल के घेराव की घोषणा की हुई थी, लेकिन एसडीएम त्रिलोक चंद ने कुछ किसान नेताओं को उपायुक्त विक्रम सिंह के पास ले गए। जहां जिला उपायुक्त ने उनकी मांग के संबंध में उन्हें आश्वासन दिया। उसके बाद किसान जिला उपायुक्त के आश्वासन के बाद वापस घर लौट गए और उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री के घेराव का फैसला टाल दिया।

हालांकि, घेराव की तैयारी पिछले कई दिनों से चल रही थी, लेकिन जिला उपायुक्त से मिलने के बाद किसानों ने अपना फैसला टाल दिया। इधर, गुरुवार को धरने की अध्यक्षता मोहना के रति राम ने किया। जिन्होंने खुलासा किया कि जिला उपायुक्त से मिलना बेहद अच्छा रहा, जिन्होंने अच्छी खबर मिलने का भरोसा भी दिलाया। इस दौरान अध्यक्ष के नेतृत्व में कमेटी ने 3 मार्च को केजीपी जाम करने का फैसला लिया। ईश्वर सिंह नंबरदार निवासी मोहना, राजेश तेवतिया निवासी अलावलपुर पलवल, धर्मचन्द निवासी घुघेरा पलवल, महेन्द्र सिंह चौहान निवासी औरंगाबाद पलवल, सरदार उपकार सिंह व सुरेन्द्र वशिष्ट बीएसपी नेता फरीदाबाद,सतबीर निवासी मोहना, डी.के. शर्मा निवासी पन्हैड़ा खुर्द व देवी लाम्बा निवासी जवां सहित करीब 200 से 225 व्यक्तियों पर एक्सप्रेसवे जाम करने पर मुकदमा हो चुका है।

खातों की जानकारी मांगी, मना करने पर डराया; तीन दिन डिजिटल अरेस्ट करके वसूले 56 लाख

नईदिल्ली, एजेंसी।
साइबर अपराधियों ने केंद्र सरकार में कार्यरत महिला कर्मचारी को 23 से 25 फरवरी तक डिजिटल अरेस्ट कर 56 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने खुद को नारकोटिक्स सेल मुंबई से बताया और परिजनों को जेल भेजने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को ट्रेस करने का प्रयास शुरू कर दिया है।

वसुंधरा सेक्टर-13 निवासी नलिनी शर्मा का कहना है कि 23 फरवरी को अनजान नंबर से फोन आया। कॉलर ने खुद को फेडेक्स का कर्मचारी राहुल देव बताते हुए कहा कि 12 फरवरी को कंपनी की अंधेरी वेस्ट शाखा से सैफ अल खलील द्वारा पार्सल इरान भेजा गया है। उसमें चार फर्जी पासपोर्ट, पांच क्रेडिट कार्ड, अंतरराष्ट्रीय सिम कार्ड, लैपटॉप और प्रतिबंधित दवा है। पार्सल के लिए जीएसटी के साथ 99,510 रुपये का भुगतान किया गया है। इस संबंध में मुंबई नारकोटिक्स सेल में शिकायत दी गई है।

इसके बाद प्रदीप सावंत नाम के व्यक्ति ने गंभीर कार्रवाई और गिरफ्तारी से बचने के लिए स्काइप कॉल पर जुड़ने के लिए कहा। वह मेल आईडी और डेस्कटॉप के जरिये स्काइप कॉल से जुड़ गईं। प्रदीप सावंत ने अपना आईकार्ड साझा किया और फिर उनका आधार कार्ड मांगा। इसके बाद उनसे कहा गया कि उनके कई खातों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद ने कहा, मामले में धोखाधड़ी और आईटी ऐक्ट का केस दर्ज कर लिया गया है। मोबाइल नंबर तथा स्काइप पर इस्तेमाल की गई आईडी के जरिये आरोपियों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने उनसे खाते की जानकारी मांगी तो मना कर दिया। इस पर मिलिंद भारंबे नाम के व्यक्ति खुद को डीएसपी बताते हुए कहा कि उनके साथ उनके परिवार को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस दौरान चार एफडी तोड़कर खातों में ट्रांसफर कर दी गईं। 24 और 25 फरवरी को फिर से फोन कर 56 लाख रुपये ऐंठ लिए गए।

डिजिटल अरेस्ट ठगों का नया हथियार है। हाल ही में कई मामले सामने आए हैं। साइबर अरेस्ट के दौरान ठग कॉल कर व्यक्ति को किसी भी अपराध में संलिप्त होने का आरोप लगाकर फंसाते हैं। जांच के नाम पर उन्हें ऑनलाइन माध्यम से वीडियो कॉल पर बने रहने को मजबूर करते हैं और जेल भिजवाने की धमकी देकर वसूली की जाती है। कैमरे के सामने दबाव बनाकर बैठाए रखने की प्रक्रिया को ही साइबर अपराध में डिजिटल अरेस्ट कहा जाता है। सिद्धार्थ विहार की अपेक्स द क्रेमलिन सोसाइटी निवासी रोशन लाल का कहना है कि सात दिसंबर 2023 को वह एक व्हॉट्सऐप ग्रुप से जुड़े। वहां उन्हें बताया गया कि दिन में तीन बार शेयर बाजार के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। करीब दो महीने बाद आरोपियों ने 500 फीसदी मुनाफा कमाने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया। इस तरह उनसे साढ़े 43 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। उनके पास 59 लाख रुपये मुनाफे का मैसेज आया। लेकिन इस रकम को निकालने के लिए आरोपी अलग-अलग बहानों से पैसों की मांग करने लगे। इस तरह निवेश और कमाई के करीब एक करोड़ रुपये आरोपियों ने ठग लिए। शिप्रा सनसिटी इंदिरापुरम की रिगालिया हाईट्स सोसाइटी निवासी दुर्गा शर्मा का कहना है कि वह कैंसर पीड़ित हैं।

मां ने ही कर दी डेढ़ साल के मासूम की हत्या, फिर खिड़की के पास रख दिया शव; वजह हैरान करने वाली

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मां ने अपने ही डेढ़ साल के बच्चे की गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना उत्तम नगर इलाके की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मां ने पड़ोसियों के तानों से तंग आकर ये खौफनाक कदम उठाया। आसपास के लोग बच्चे को अवैध होने का ताना देते थे, जिससे वह तंग आ गई थी। पुलिस ने बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपकर महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 27 वर्षीय राधा अपने पति गोविंद और तीन एवं डेढ़ साल के दो बच्चों के साथ उत्तम नगर इलाके में रहती है। डेढ़ साल के आरव को लेकर आसपास के लोग राधा को ताना देते थे कि उसका पिता गोविंद नहीं कोई और है। इसकी वजह से वह तनाव में रहने लगी थी।

कई बार उसका रिश्तेदारों और पड़ोसियों से झगड़ा भी हुआ। पुलिस ने बताया कि आए दिन के तानों से तंग आकर राधा ने मंगलवार को आरव को उसके गले में पहने ताबीज से गला घोटकर मार डाला। फिर शव को खिड़की के पास रख दिया। जब गोविंद ने बच्चे को अचेत देखा तो वह घबरा गया। इस पर राधा ने कहा कि शायद खिड़की के जाल में गला फंसने से वह बेहोश हो गया है। इसके बाद परिजन बच्चे को तारक अस्पताल ले गए। उसके गले में निशान देखकर अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने जब सख्ती से राधा से पूछताछ की तो सारा मामला सामने आ गया। पूछताछ के दौरान, राधा रोने लगी और पुलिस को बताया कि उसने बच्चे का गला घोंटकर उसे मार डाला है। उत्तम नगर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया

दिल्ली में मिलेंगे एनसीआर के शहर? जनहित याचिका पर हाईकोर्ट का विचार करने से इनकार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के पड़ोसी शहरों जैसे मेरठ, फरीदाबाद और गुरुग्राम को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मिलाने के अनुरोध संबंधी जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि ये शहर अपने संबंधित क्षेत्राधिकार वाले उच्च न्यायालयों से बहुत दूर हैं और इसलिए इन्हें दिल्ली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि पंजाब के लिए जालंधर में एक नया हाईकोर्ट स्थापित किया जाना चाहिए, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मौजूदा हाईकोर्ट जाने में अमृतसर जैसे स्थानों में रहने वाले लोगों को असुविधा होती है। एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि राज्यों के क्षेत्रों के पुनर्गठन के साथ-साथ उच्च न्यायालयों की स्थापना करना उच्च न्यायालय के क्षेत्र में नहीं है। इस बेंच में जस्टिस मनमीत पीएस अरोड़ा भी शामिल थीं। बेंच ने कहा, ''आप अदालत में क्यों आए हैं? हम संसद नहीं हैं। संसद मेरे आदेश से नहीं चलती। हम राज्यों की सीमाओं का पुनर्गठन नहीं करते। हम यह तय नहीं करते कि कौन सा हाईकोर्ट कहां से कार्य करेगा। यह हमारे डोमेन में नहीं है।'' अदालत ने कहा कि याचिका संविधान के अनुच्छेद 3 की अनदेखी में दायर की गई थी जो नए राज्यों के गठन की प्रक्रिया और मौजूदा राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में बदलाव से संबंधित है।

सीसीएसयू में 7 मार्च से भरे जाएंगे एनईपी सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म

नईदिल्ली, एजेंसी।
चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म अब सात मार्च से भरे जाएंगे। पूर्व में विश्वविद्यालय एक मार्च से ये परीक्षा फॉर्म भरवाने की तैयारी में था, लेकिन कंपनी की असमर्थता पर यह तिथि सात मार्च कर दी है। एनईपी सम सेमेस्टर में 60 हजार से अधिक विद्यार्थियों के फॉर्म भरे जाने हैं। एनईपी परीक्षाएं अप्रैल मध्य में प्रस्तावित हैं।

विश्वविद्यालय बैक परीक्षा में शामिल छात्र-छात्राओं के लिए जल्द ही मुख्य परीक्षा फॉर्म फिर से ओपन करेगा। विश्वविद्यालय एक-दो दिन में यूजी-पीजी प्राइवेट के सभी बैक रिजल्ट जारी कर देगा। विश्वविद्यालय के अनुसार जो छात्र बैक में फेल होंगे तो वे संबंधित कक्षा में एक्स का फॉर्म भरेंगे जबकि पास होने पर वे आगे की कक्षा के फॉर्म भर सकेंगे। विश्वविद्यालय एमकॉम प्राइवेट के रिजल्ट पहले ही जारी कर चुका है। विश्वविद्यालय ने गुरुवार को एमए प्राइवेट में समस्त विषयों सहित बीकॉम अंतिम वर्ष प्राइवेट का रिजल्ट भी जारी कर दिया। विश्वविद्यालय के अनुसार छात्र आज से वेबसाइट से परिणाम देख सकते हैं।

वार्षिक प्राइवेट मुख्य परीक्षाएं 20 मार्च सेत्न
विश्वविद्यालय में यूजी-पीजी प्राइवेट की मुख्य परीक्षाएं 20 मार्च से होंगी। विश्वविद्यालय एक-दो दिन में परीक्षा कार्यक्रम जारी कर देगा। पेपर दो पालियों में होंगे। पूरी परीक्षा 35 दिनों में निपट जाएंगी। झांसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित बीएड प्रवेश परीक्षा की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की गई है। स्ववित्तपोषित महाविद्यालय संघ के महासचिव डॉ.राजीव गुप्ता पुट्ठी ने झांसी विश्वविद्यालय बुंदेलखंड विश्वविद्यालय को पत्र भेजते हुए अंतिम तिथि तीन अप्रैल तक करने की मांग की है। फिलहाल बगैर विलंब शुल्क बीएड में तीन मार्च तक आवेदन हो सकते हैं। डॉ. राजीव गुप्ता के अनुसार प्रदेशभर में तीन लाख से अधिक सीटों पर आवेदन को कम समय दिया गया है। ऐसे में विश्वविद्यालय अंतिम तिथि एक महीने और बढ़ाए।

2016 में भी हटाया था, 2017 में फिर कब्जा कर लिया; रैट माइनर वकील हसन पर डीडीए का बयान

नईदिल्ली, एजेंसी।
डीडीए ने वकील हसन को तत्काल राहत के तौर नरेला में ईडब्ल्यूएस फ्लैट में आश्रय उपलब्ध कराया है। डीडीए द्वारा दी गई जानकारी में कहा गया है कि सिल्कारा-बरकोट सुरंग में फंसे श्रमिकों के जीवन को बचाने में उनके उल्लेखनीय योगदान के चलते परिवार को सहायता प्रदान की गई है। डीडीए के अधिकारी वकील से मिलने और उन्हें यह प्रस्ताव बताने के लिए साइट पर गए। वकील को रोजगार के रूप में अस्थायी राहत पर भी काम किया गया। डीडीए ने अपने बयान में कहा है कि वकील हसन इस बात से अवगत थे कि उनका मकान अतिक्रमण के दायरे में है और इसे 2016 में भी हटाया गया था, लेकिन उन्होंने 2017 में फिर से कब्जा कर लिया। यह अतिक्रमण हटाने का एक नियमित अभियान था। किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाकर यह कार्रवाई नहीं की गई है। डीडीए ने मदद करने की पेशकश की थी। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान अपना मकान गंवाने वाले वकील हसन ने डीडीए की मदद ठुकरा दी है। वकील ने बताया कि बुधवार रात डीडीए की टीम मौके पर पहुंची थी और अस्थायी आवास उपलब्ध कराने की पेशकश की थी, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया है। यह सिर्फ मौखिक तौर पर आश्वासन दिया जा रहा था। आशियाना उजड़ जाने के बाद रैट माइनर वकील हसन को बच्चों के भविष्य की चिंता सता रही है। बेटी की दो मार्च को बोर्ड की परीक्षा होनी है। परिवार सड़क पर रहकर गुजर-बसर करने को मजबूर है। इधर-उधर से खाने-पीने का सामान आ रहा है।

पिछले साल उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग से 41 मजदूरों को बाहर निकालने में मदद करने वाले रैट माइनर वकील हसन के खूजरी खास के श्री राम कॉलोनी में रहते हैं। उनके मकान को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अनधिकृत बताकर बुधवार को ध्वस्त कर दिया था, जिससे पूरा परिवार सड़क पर आ गया है। वकील ने बताया कि डीडीए की कार्रवाई के चलते उनके बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो गई है। बेटी दसवीं में पढ़ती है।